भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 6174
बुधवार, 01 अप्रैल, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

मिशन मौसम के अंतर्गत निधि का उपयोग

†6174. श्रीमती महुआ मोइत्रा:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बजट अनुमान और संशोधित अनुमान 2025-26 के बीच मिशन मौसम के अंतर्गत निधि के 37 प्रतिशत कम उपयोग किए जाने का ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण है; और

(ख) इस योजना की शुरूआत से इसके अंतर्गत आवंटित, जारी और उपयोग की गई निधि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) 2025-26 के लिए बजट अनुमान (बीई) और संशोधित अनुमान (आरई) के बीच मिशन मौसम के तहत धन का कम उपयोग (लगभग 37%) मुख्य रूप से महत्वपूर्ण प्रेक्षण प्रणालियों की खरीद में चुनौतियों के कारण है, जिसमें डॉप्लर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर), विंड प्रोफाइलर और रेडियोमीटर शामिल हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा की गई खरीद प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अधिग्रहण और उन्नत प्रेक्षण अवसंरचना की तैनाती शामिल है, जिसे पहली बार इतने बड़े पैमाने पर लागू किया जा रहा है। परिणामस्वरूप, इन कारकों के कारण निधि उपयोग में कुछ देरी हुई है जो स्वाभाविक है।

(ख) मिशन मौसम योजना सितंबर 2024 में शुरू की गई थी। योजना की शुरुआत से बजट अनुमान, संशोधित अनुमान और वास्तविक/ जारी किए गए व्यय का वर्षवार विवरण इस प्रकार है:

(आंकड़े करोड़ में)

वित्तीय वर्ष	बजट अनुमान (बअ)	संशोधित अनुमान (संअ)	जारी/वास्तविक (एई) व्यय
2024-25	0	666.00	515.70
2025-26	1329.00	840.00	828.95 (31/03/2026 तक)

****